UNIVERSITY OF KALYANI

Department of Hindi

U.G.(Hindi) Proposed Syllabus

NEP - 2020

B.K. 27/11/24

Amrita Pasi 27/11/2024

M. Mandal 27.11.2024

Abhishek 27.11.2024.

Kumar 27.11.24

Head
Department of Hindi
University of Kalyani

University of Kalyani

Department of Hindi

U.G. (Hindi) Proposed Syllabus

NEP- 2020

SEMESTER I							
Semester	Course Type	Paper Code	Course Name	Credit	Evaluation Pattern Marks		
					Theory	IA	Total
First	Major (T)	HIN-M-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : (आदिकाल से रीतिकाल तक)	06	60	15	75
First	Minor (T)	HIN-MI-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास :(आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	40	10	50
First	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-1	हिन्दी व्याकरण	03	35	10	45
First	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-1	विज्ञापन और हिन्दी	03	35	10	45
First	Value Added Course	HIN-VA-T-1	Environmental Education	04	40	10	50
			Total	20	210	55	265
SEMESTER II							
Second	Major	HIN-M-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	06	60	15	75
Second	Minor	HIN-MI-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास :(आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	40	10	50
Second	Multidisciplinary	HIN-MU-T-2	हिन्दी भाषा और लिपि	03	35	10	45

	Course						
Second	Ability Enhancement Course	AECC-1	Communicative English	04	40	10	50
Second	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-2	प्रयोजनमूलक हिन्दी	03	35	10	45
Second	Summer Course	HIN-SI-T-1	Summer Internship	04			
			Total	20	210	55	265

SEMESTER III							
Semester	Course Type	Paper Code	Course Name	Credit	Evaluation Pattern Marks		
					Theory	IA	Total
Third	Major(T)	HIN-M-T-3	मध्यकालीन काव्य	06	60	15	75
Third	Minor (T)	HIN-MI-T-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल	04	40	10	50
Third	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-3	हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय	03	35	10	45
Third	Skill	HIN-SEC-P-3	अनुवाद विज्ञान	03	35	10	45

	Enhance ment Course						
Third	Value Added Course	HIN-VA-T-3	हिंदी साहित्य, संस्कृति और बंगाल	04	40	10	50
			Total	20	210	55	265
SEMESTER IV							
Fourth	Major	HIN-M-T-4(A)	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	06	60	15	75
Fourth	Major	HIN-M-T-4 (B)	हिंदी कहानी	06	60	15	75
Fourth	Minor	HIN-MI-T-4	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल	04	40	10	50
Fourth	Ability Enhance ment Course	AECC-4	आधुनिक हिंदी साहित्य	04	40	10	50
Fourth	Summer Course	HIN-SI-T-4	Summer Course	04			
			Total	20	200	50	250

Semester-I

Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-1:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) 6 Credit

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : प्रवृत्तियाँ।
- रीतीतर काव्य : सामान्य परिचय।

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी

3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरबंस मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code HIN-MI-T-1: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 4 Credit

(40+10=50) Marks

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासोएवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : स्वयंभू, सरहपा, गोरखनाथ,चंदबरदाई, अमीर खुसरो एवं विद्यापति।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक

पृष्ठभूमि। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।

- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : कबीर,जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रहीम एवं रसखान।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्तकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : केशव, बिहारी,घनानंद, भूषण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्यं की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह

17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरवंश मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code: HIN-MU-T-1:हिन्दी व्याकरण **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श,अन्तस्थ, उष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष।
- शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- रूप रचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
- वाक्य रचना : सरल वाक्य, मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य।
- शब्दस्रोत : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज।
- विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द।
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
2. हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
3. सुबोध हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
4. सरल हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
5. हिन्दी व्याकरण मीमांसा- काशीराम शर्मा
6. मानक हिन्दी का व्यावहारपरक व्याकरण- रमेशचंद्रमहरोत्रा

7. नवशती हिन्दी व्याकरड़- बद्रीनाथ कपूर

Paper Code: HIN-SEC-P-1: विज्ञापन और हिन्दी 3 Credit

(35+10=45 Marks)

- विज्ञापन : परिभाषा एवं स्वरूप
- विज्ञापन : वर्गीकरण एवं उद्देश्य
- हिन्दी जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन का इतिहास
- विज्ञापन एजेंसियां और उद्योग : अंतर्संबंध
- विज्ञापन भाषा और हिन्दी
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम।
- विज्ञापन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. विज्ञापन: भाषा संरचना - रेखा सेठी
2. मीडिया लेखन - डॉ. यू. सी. गुप्ता
3. मीडिया लेखन और संपादन कला- गोविंद प्रसाद
4. मीडिया लेखन कला – सूर्य प्रकाश दीक्षित
5. जन संपर्क, स्वरूप और सिद्धान्त- डॉ. राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी विज्ञापन : संरचना और प्रभाव – सुमित मोहन
7. आज का मीडिया – सं. शंभुनाथ
8. आधुनिक विज्ञापन –प्रेमचंद्रपातंजलि
9. मीडिया और लोकतंत्र – रवीन्द्रनाथ मिश्र
10. मीडिया लेखन – सुमित मोहन
11. समाचार पत्रों की भाषा – माणिक मृगेश

12. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैणा
13. विज्ञापन डॉट कॉम – डॉ. रेखा सेठी
14. विज्ञापन कला – मधु धवन
15. मास मीडिया और समाज – मनोहर श्याम जोशी

Semester-II

Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-2:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी नवजागरण। आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दीगद्य : उद्भव और विकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15)	**:**	**10X2=20**
लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6)	**:**	**4X5=20**
आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4)	**:**	**2X10= 20**

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: HIN-MI-T-2: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 4 Credit

(40+10=50) Marks

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासोएवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : स्वयंभू, सरहपा, गोरखनाथ,चंदबरदाई, अमीर खुसरो एवं विद्यापति।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : कबीर,जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रहीम एवं रसखान।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : केशव, बिहारी,घनानंद, भूषण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरवंश मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code: HIN-MU-T-2:हिन्दी भाषा और लिपि 3 Credit

(35+10=45 Marks)

- हिन्दी भाषा का इतिहास।
- खड़ी बोली हिन्दी का उद्भव और विकास।
- हिन्दी की बोलियाँ : सामान्य परिचय।
- हिन्दी-उर्दू रूपों का संबंध।
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि का विकास।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
- वर्तनी का मानकीकरण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी
3. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप : हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : उदय नारायण तिवारी
6. हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
7. हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
10. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
11. नागरी लिपि – डॉ. बृजमोहन

12. हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण –त्रिभुवननाथ शुक्ल
13. हिन्दी कैसे बने विश्व भाषा – डॉ. वेदप्रताप वैदिक
14. मानक हिन्दी –ब्रजमोहन
15. हिन्दी की प्रकृति और शुद्ध प्रयोग –ब्रजमोहन
16. राजभाषा हिन्दी –कैलाशचन्द्र भाटिया
17. राजभाषा की प्रवृत्तियाँ – माणिक मृगेश
18. मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण – रमेश मेहरोत्रा

Paper Code: HIN-SEC-P-2: प्रयोजनमूलक हिन्दी **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ और स्वरूप।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप।
- हिन्दी की प्रयोजनमूलकप्रयुक्तियाँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की सीमाएँ एवं संभावनाएँ।
- सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, टिप्पण तथा आलेखन।
- पारिभाषिक शब्दावली।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग- दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी- कैलाशचन्द्र भाटिया
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

6. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
7. व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार- दंगल झाल्टे
8. टिपण्णीप्रारूप–शिवनारायण चतुर्वेदी
9. संघीय राजभाषा के सन्दर्भ में पारिभाषिक वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ – बलराज सिंह सरोही
10. प्रशासनिक हिन्दी : प्रयोग और संभावनाएँ – डॉ. पी.पी. आंडाल
11. प्रशासनिक हिन्दी ऐतिहासिक सन्दर्भ – डॉ. महेशचंद्र गुप्त
12. व्यावसायिक हिन्दी – राजेन्द्र कुमार पांडेय
13. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ. प्रेमचंद्रपातंजलि
14. व्यावसायिक हिन्दी – प्रो. रहमतुल्लाह
15. व्यावहारिक हिन्दी और रचना – डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी
16. बोलचाल की हिन्दी और संचार – डॉ. मधु धवन
17. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
18. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव

Semester-III

Detailed syllabus

Paper Code:HIN-M-T-3; मध्यकालीन काव्य | Credit 6

(60+15= 75 marks)

इकाईI - कबीरदास

कबीर(संपादक – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

पद संख्या – 1,134,156,160,163,168,187,200,201,247

इकाई II - जायसी

मानसरोदक खंड – जायसी ग्रंथावली, (सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

इकाई III - तुलसीदास

रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड- चित्रकूट प्रसंग(गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर)

दोहा संख्या – 145,146,147,149, 150,166,167,168, 171, 172, 173, 268, 269, 306, 315,

इकाई IV - सूरदास

भ्रमरगीतसार (संपादक –आचार्यरामचंद्र शुक्ल)

आरंभिक दस पद

इकाई V - बिहारी

बिहारीरत्नाकर– श्री जगन्नाथदास'रत्नाकर'

आरंभिक 15 दोहे

इकाईVI - घनानन्द

घनानंद कवित्त–सं.आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पद संख्या – 1, 2, 4, 8, 10, 13, 15, 33, 39, 40

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15)	:	10X2=20
व्याख्या (4out of 6)	:	4X5=20
आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4)	:	2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

2.कबीर-विजयेंद्र स्नातक

3.अकथ कहानी प्रेम की - पुरुषोत्तम अग्रवाल

4.जायसी ग्रंथावली - रामचंद्र शुद्ध

5.जायसी -विजयदेव नारायण साही

6.सूरदास - रामचंद्र शुक्ल

7.त्रिवेणी- रामचंद्र शुक्ल

8.भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पाण्डेय

9.लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी

10.तुलसी काव्य-मीमांसा उदयभानु सिंह

11.भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य- शिवकुमार मिश्र

12.बिहारी- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

13.बिहारी का नया मूल्यांकन- बच्चन सिंह

14.बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

15.घनानंद- लल्लन राय

16घनानंद का काव्य- रामदेव शुक्ल

17.घनानंद ग्रंथावली- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Paper Code:HIN-MI-T-3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल 4 Credit

(40+10=50 Marks)

- हिन्दी नवजागरण, आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ औरप्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : साहित्यिक प्रवृत्तियाँ औरप्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भवऔरविकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी गद्य, स्वंरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी

16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code : HIN-MU-T-3 : हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय **Credit 3**

(35+10=45 Marks)

- **नाटक**
  अंधेर नगरी -भारतेन्दु हरिश्चंद्र

- **कविता**
  नर हो न निराश करो मन को -मैथिली शरण गुप्त
  पुष्प की अभिलाषा -माखनलाल चतुर्वेदी

- **कहानी**
  बूढ़ी काकी -प्रेमचंद
  वापसी -उषा प्रियंवदा

अंक विभाजन

MCQ Type Questions :35 Questions (1 marks each)

सहायकग्रन्थसूची:

1.मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन– डॉ नगेंद्र
2.भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
3.हिन्दी नाटक:मिथक और यथार्थ– रमेश गौतम
4.भारतेंदु की रंग कल्पना–सत्येंन्द्र तनेजा
5.हिन्दी नाटक का आत्म-संघर्ष– गिरिश रस्तोगी
6.आधुनिक कवि– विश्वंभर'मानव', रामकिशोर शर्मा
7.स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कविता–डॉ जे. आत्माराम
8.हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
9.हिन्दी कहानी:उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
10.प्रेमचंद और उनका युग– डॉ रामविलास शर्मा

Paper Code :HIN-SEC-P-3 :अनुवाद विज्ञान Credit : 3

(35+10=45 Marks)

- अनुवाद :परिभाषा और प्रकार
- अनुवाद की समस्याएं और अनुवाद की उपयोगिताएं
- हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

अनुवाद : हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.अनुवाद विज्ञान-राजमणि शर्मा

2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

3. अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

4. हिंदी में व्यवहारिक अनुवाद - डॉ. आलोक कुमार

5. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं -रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

6. अनुवाद से संवाद- ओमप्रकाश सिन्हा

7. सिद्धांत और रूपरेखा- सुरेश कुमार

8. अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएं-भोलानाथ तिवारी और ओमप्रकाश सिन्हा

Paper Code :HIN-VA-T-3 : हिंदी साहित्य, संस्कृति और बंगाल Credit 4

(40+10=50 Marks)

- हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के विकास में बंगाल का योगदान- फोर्टविलियम कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय और विश्वभारती का योगदान।
- हिंदी लोक-संस्कृति और बंगाल - छठपूजा, दीपावली, होली आदि त्योहार,लोकगीत।
- हिंदी पत्रकारिता और बंगाल।
- हिंदी रंगमंच और बंगाल- इप्टा, रंगकर्मी, नाट्यशोध संस्थान एवं विभिन्न नाट्य मंडली।

अंक विभाजन

MCQ Type Questions : 40 Questions (1 marks each)

सहायकग्रन्थसूची:

1.बांग्ला साहित्य का इतिहास –डॉ गोरखनाथ मिश्र

2.बँगला(भाषा और साहित्य) पर हिन्दी(भाषा और साहित्य) का प्रभाव –डॉ ब्रह्मानन्द

3.बाङ्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन(अनु. निर्मलाजैन)

4.बांग्ला नाट्य कोश– संध्या डे

5.पत्रकारिता सिद्धांत और कला-विश्वनाथ सिंह

6.पत्रकारिता संदर्भ कोश- सूर्यप्रसाद दीक्षित

7.पत्रकारिता के विविध आयाम-रामचंद्र तिवारी

8.हिन्दी पत्रकारिता:विविध आयाम- वेद प्रताप वैदिक

9.हिन्दी पत्रकारिता:विविध आयाम- सुशीला जोशी

10.हिन्दी पत्रकारिता:स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

11.राष्ट्रीय नवजागरण:हिन्दी पत्रकारिता- मीरा रानी वल

Semester-IV

Detailed Syllabus

Paper Code :HIN-M-T-4(A) : आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) Credit : 6

(60+15=75 Marks)

- भारतेन्दुहरिश्चंद्र - मुकरियाँ

(क) मुंह जब लागै तब नहीं छुटै
(ख) भीतर भीतर सब रस चूसै
(ग) धन लेकर कछु काम न आव
(घ) तीन बुलावे तेरह आवै
(ङ) सुंदर वाणी कही समुझाए
(च) निज भाषा उन्नति अहै

- मैथिलीशरण गुप्त- राहुलजननी (यशोधरा)
- जयशंकर प्रसाद- प्रलय की छाया (लहर), ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरी वरुणा की शांत कछार।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- जूहीकी कली, तोड़ती पत्थर, बादलराग (भाग- .6)
- सुमित्रानंदन पंत- भारतमाता, मौन निमंत्रण, परिवर्तन।
- महादेवीवर्मा- पंथ रहने दो अपरिचित, मैं नीर भरी दुख की बदरी, विरह का जलजात जीवन।

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

व्याख्या (4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.निरालाःकवि छवि-नंदकिशोर नवल

2.प्रसाद का काव्य–प्रेमशंकर

3.छायावाद- नामवर सिंह

4.निराला का अलछित अर्थ गौरव-पांडेय शशिभूषण शितांशु

5.महादेवी वर्मा-परमानंद श्रीवास्तव

6.महादेवी वर्माःनया मूल्यांकन -गणपतिचंद्र गुप्त

7.निराला से रघुवीर सहाय तक- कृष्णरायन कक्कड

8.निराला: आत्महन्ता आस्था -दूध नाथ सिंह

9.निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा

10.महादेवी वर्मा –इंद्रनाथमदान

11.सुमित्रानंदन पंत नगेन्द्र

12.पंत जीवन और साहित्य- शान्ति जोशी

13.प्रसाद, निराला, अज्ञेय-रामस्वरूप चतुर्वेदी

14.आधुनिक साहित्य कीप्रवृत्तियाँ– नामवरसिंह

15.आधुनिक हिंदी कविता युगीन संदर्भ – अरुणहोता

16.मैथिलीशरण गुप्त:पुन मूल्यांकन– डॉ नगेंद्र

17.मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अन्त: सूत्र –कृष्णदत्त पालीवाल

Paper Code : HIN-M-T-4(B) : हिंदी कहानी **Credit : 6**

(60+15=75 Marks)

- हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
- प्रमुख कहानियां :

1. एक टोकरी भर मिट्टी -माधवराव सप्रे
2. उसने कहा था -चंद्रधर शर्मा गुलेरी
3. कफन -प्रेमचंद
4. छोटा जादूगर -जयशंकर प्रसाद
5. परिंदे -निर्मल वर्मा
6. चीफ की दावत -भीष्म साहनी
7. वारेन हेस्टिंगस का सांड -उदय प्रकाश
8. सागर सीमांत -संजीव
9. ललमानियाँ -मैत्रेयीपुष्पा
10. भूख -चित्रामुद्गल

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

व्याख्या (4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

महायक ग्रन्थ सूची:

1.हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

2.हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश

3.प्रेमचंद:विरासत का सवाल - शिव कुमार मिश्र

4.एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव

5.समकालीन कहानी की भूमिका-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

6.समकालीन कहानी की पहचान- नरेन्द्र मोहन

7.समकालीन सिद्धान्त और साहित्य-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

8.आधुनिक हिन्दी कहानी - मोहन राकेश

9.कहानी:समकालीन चुनौतियाँ - शंभु गुप्त

10.कहानी परंपरा और प्रगति -खगेन्द्र ठाकुर

11.समकालीन हिन्दी कहानी बदलते जीवन सन्दर्भ - शैलजा

12.हिन्दी कहानी: परंपरा और प्रगति - डॉ. हरदयाल

Paper Code:HIN-MI-T-4 : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

- हिन्दी नवजागरण, आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दुयुग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयीकविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

19. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
20. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
21. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
23. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
24. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
25. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
26. छायावाद : नामवर सिंह
27. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
28. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान
29. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
30. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
31. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
32. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
33. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
34. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
35. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
36. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: AECC-4 : आधुनिक हिंदी साहित्य — **4 Credit** — **(40+10=50 Marks)**

इकाई -1 हिंदी कविता -

बीती विभावरी जागरी -जयशंकर प्रसाद
वर दे वीणा वादिनी वर दे -सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
अकाल और उसके बाद -नागार्जुन
हम पंछी उन्मुक्त गगन के -शिवमंगल सिंह' सुमन'

इकाई -2 हिंदी कहानी -

पूस की रात -प्रेमचंद
बर्रे -स्वयं प्रकाश

इकाई -3 हिंदी निबंध -
मित्रता -आचार्य रामचन्द्र·शुक्ल
भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है -भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई -4 पारिभाषिक शब्दावली :

1. Abandon (त्याग देना, छोड़ देना) 2. Ability (योग्यता) 3. Abnormal(असामान्य) 4. Abolish(समाप्त किया) 5. Absence (अनुपस्थित) 6. Absolute acceptance (पूर्णस्वीकृति) 7. Abstract (सार) 8. Academic Council (अकादमिक परीषद) 9. Accident (दुर्घटना) 10. Account (खाता) 11. Approval (अनुमोदन) 12. Assessment (मूल्यांकन) 13. Backlog (पिछला बकाया) 14. Balance (शेष, बाकी) 15. Ballot (मतपत्र) 16. Beneficiary (लाभार्थी) 17. Borrow (उधार लेना) 18. Calamity (आपदा) 19. Calculation (गणना) 20. Capable (समर्थ) 21. Certificate (प्रमाणपत्र) 22. Cititzenship (नागरिकता) 23. Co-education (सहशिक्षा) 24. Compulsion (बाध्यता) 25. Disagrrement (असहमत,मतभेद) 26. Discontent (असंतोष) 27. Disqualify (अयोग्य) 28. Dividind (लाभांश) 29. Economy (अर्थव्यवस्था) 30. Employment (रोजगार) 31.Fee (शुल्क) 32. Financial assistance (वित्तीय सहायता) 33. Handover (सौंपना) 34. Leniency (नरमी, उदारता) 35.Premature (समयपूर्व)

अंक विभाजन

MCQ Type Questions : 40 Questions (1 marks each)

सहायक ग्रन्थ सूची:

1.प्रसाद, निराला, अज्ञेय-रामस्वरूप चतुर्वेदी
2.निराला से रघुवीर सहाय तक –कृष्णरायन कक्कड़
3.निराला: आत्महन्ता आस्था - दूध नाथ सिंह
4.प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
5.नागार्जुन कीकविता – अजयतिवारी
6. नागार्जुन का रचना संसार – विजयबहादुर सिंह
7.हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
8.हिंदी कहानी का विकास –मधुरेश